भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4079

17.07.2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

यू.एन.एस.सी. की अस्थायी सीट

4079. **श्री संजय सदाशिवराव मांडलिकः**

श्री सुधीर गुप्ताः

श्री बिद्युत बरन महतोः

श्री गजानन कीर्तिकरः

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) यूनाइटेड नेशन्स के पांच क्षेत्रीय निकायों में से एक एशिया पैसिफिक समूह ने सर्वसहमति से दो वर्ष के लिए यू.एन. की सुरक्षा परिषद् में अस्थायी सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या विभिन्न देशों से प्राप्त इस अप्रत्याशित समर्थन से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्यता के भारत के दावे को गति मिलेगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या विश्व की सटीक सच्चाई को प्रदर्शित करने हेतु सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यों की संख्या को बढ़ाने सहित भारत ने यू.एन. में तत्काल सुधार की मांग की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यू.एन. ने अस्थायी और स्थायी सदस्यों द्वारा भारत के दावे का समर्थन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) चीन सहित अन्य देशों में पर्याप्त समर्थन जुटाने के लिए प्रयासों में तेजी लाने हेतु अन्य क्या कदम उठाए गए हैं/उठाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्री वी. मुरलीधरन)

(क) और (ख) भारत ने नवंबर 2013 में एशिया-प्रशांत समूह (एपीजी) के लिए उपलब्ध एकमात्र सीट हेतु संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वर्ष 2021-22 के कार्यकाल के लिए अस्थायी सीट हेतु अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। जून 2019 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वर्ष 2021-22 के कार्यकाल हेतु भारत की अस्थायी सदस्यता का एपीजी के 55 सदस्य राष्ट्रों ने समर्थन किया है। एशिया-प्रशांत समूह के

45 सदस्य राष्ट्रों (भारत सहित) ने भारत की सदस्यता का समर्थन किया और किसी भी राष्ट्र ने हमारी सदस्यता का विरोध नहीं किया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सीट के लिए चुनाव जून 2020 में न्यूयॉर्क में आयोजित किया जाएगा।

भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्य के रूप में अब तक 7 बार निर्वाचित किया गया है (1950-51, 1967-68, 1972-73, 1977-78, 1984-85, 1991-92 तथा 2011-12 के कार्यकाल के लिए)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में इन कार्यकाल के दौरान संयुक्त राष्ट्र के कार्यकलापों में सक्रिय भागीदारी के साथ-साथ भारत के कामकाज के आधार पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता हेतु भारत का दावा और मजबूत हुआ है।

(ग) से (ङ) भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधार का आह्वान किया है जिसमें स्थायी तथा अस्थायी श्रेणी की सदस्यता का विस्तार किया जाना भी शामिल है ताकि परिषद समकालीन भूराजनीतिक परिस्थितियों को और अधिक परिलक्षित कर सके। इस उद्देश्य के अनुसरण में सरकार द्वारा द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय मंचों पर अनेक पहल की गई हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी तथा अस्थायी सदस्य राष्ट्रों ने विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता हेतु भारत की दावेदारी का बड़ी संख्या में समर्थन किया है। इसे द्विपक्षीय अंतर-सरकारी बैठकों तथा परिचर्चाओं में विभिन्न तरीके से अलग-अलग मंचों पर अभिव्यक्त किया गया है।

भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार किए जाने के संबंध में संयुक्त राष्ट्र में चल रही अंतर-सरकारी बातचीत में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहा है। सितंबर 2016 में भारत ने "सुरक्षा परिषद सुधार से संबंधित मित्र राष्ट्र समूह" की बैठक में हिस्सा लिया जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी तथा अस्थायी श्रेणी के सदस्य राष्ट्रो की संख्या का विस्तार किए जाने सहित तत्काल सुधार किए जाने और इस मुद्दे पर आईजीएन में पाठ आधारित बातचीत यथाशीघ्र शुरू करने का समर्थन करता है। भारत जी-4 समूह (भारत, जापान, ब्राजील तथा जर्मनी) और एल.69 समूह (एशिया, अफ्रीका तथा लातिन अमरीका के विकासशील देशों का अंतर-क्षेत्रीय समूह) में अपनी सदस्यता के जरिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का विस्तार करने हेतु परिषद के सदस्य राष्ट्रों का समर्थन जुटाने के लिए अन्य सुधारोन्मुखी देशों के साथ भी काम कर रहा है।

***